आख़िरी हिम्मत

— रविन कुमार

ऐ मायूस इंसान, बस एक आख़िरी हिम्मत जुटा के देख, खुद की नज़रों में खुदी को, खुद का ख़ुदा बना के देख। तेरा समंदर तू, तेरा आस्माँ तू, तेरा दिरया तू, तेरा ज़िरया तू। कर इबादत तू खुद से खुदी की, होगी हासिल जो भी तेरी मंज़िल थी, मेहनत कर, और खुद को, खुद का ख़ुदा बना के देख।